हरिभूमि
महासमुंद भूमि
रायपुर, शनिवार 6 जून 2026

तापमान
अधिकतम 39.2 डिग्री
न्यूनतम 29.6 डिग्री

12 नागरिकों को प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण ...

12 फसल विविधीकरण एवं जल संरक्षण

बदहाल हुए नगर के उद्यान, मवेशियों एवं असामाजिक तत्वों का जमावड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

जिला मुख्यालय के विभिन्न गार्डन और पार्कों की स्थिति इन दिनों बेहद दयनीय है। रखरखाव के अभाव और लापरवाही के कारण शहर के फेफड़ा कहा जाने वाला मोती बाल उद्यान अब अपनी पहचान खोते जा रहे हैं। दुर्दशा और उनमें मवेशियों के जमावड़ा के साथ बढ़ते कब्जे ने आम नागरिकों और बच्चों के लिए भारी असुविधा की स्थिति उत्पन्न कर दी है। शहर के मुख्य उद्यानों की माली हालत खराब है। मौके पर यह स्पष्ट है कि यहां न तो नियमित सफाई होती है और न ही पौधों की देखरेख। पार्कों में लगे महंगे फव्वारे कई सालों से बंद पड़े हैं, जबकि बच्चों के खेलने के लिए लगाए गए झूले जंग खाकर जर्जर हो चुके हैं। कई स्थानों पर बाउंड्री वॉल टूटी हुई है, जिसके चलते मवेशी बेरोकटोक अंदर घुस आते हैं। कई उद्यानों में मवेशियों का जमावड़ा आम बात हो गई है। आवारा पशुओं के कारण पूरा परिसर गोबर और गंदगी से भर गया है। इससे न केवल उद्यानों की सुंदरता नष्ट हो रही है, बल्कि गंदगी के कारण उठने वाली दुर्गंध से भी लोगों का वहां जाना दूभर हो गया है। सुबह और शाम को टहलने के लिए आने वाले बुजुर्गों और खेलने वाले बच्चों को हमेशा मवेशियों के हमले का डर बना रहता है। कई बार यहां पशुओं की लड़ाई में आम लोगों को चोट लगने की स्थिति भी बन जाती है।

आम नागरिकों और बच्चों के लिए भारी असुविधा, मुख्य उद्यानों की हालत खराब

अधिकारी बेखबर, नागरिक परेशान

पालिका प्रशासन की उदासीनता का आलम यह है कि शिकायत के बावजूद इन पार्कों के जीर्णोद्धार पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। पार्कों में न तो कोई सुरक्षा गार्ड तैनात है और न ही पशुओं को रोकने के लिए कोई पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

जल्द हो उद्यानों का कायाकल्प

नागरिकों का कहना है कि पार्कों की स्थिति सुधरने के बजाय लगातार बिगड़ती जा रही है। स्थानीय निवासियों और शहर के प्रबुद्ध जनों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द पार्कों का कायाकल्प किया जाए। बाउंड्री वॉल को दुरुस्त करने के साथ ही पार्कों के गेट पर पशु-रोधी जाली लगाई जानी चाहिए। इसके अलावा, पार्कों की नियमित सफाई और सुरक्षा की जिम्मेदारी तय की जाए ताकि ये स्थान बच्चों और बुजुर्गों के लिए फिर से सुरक्षित और सुखद बन सकें।

आयोजन: खबर का दिखा असर, अंत तक शिविर में डटे रहे कर्मी और अफसर

सुशासन तिहार शिविर में पहुंची प्रभारी सचिव, जनता से संवाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

सुशासन तिहार के तहत जिले में आयोजित अंतिम समाधान शिविर में प्रमुख सचिव एवं जिले की प्रभारी सचिव निहारिका बारिक शामिल हुईं। नगर के टाउन हॉल में आयोजित इस शिविर में उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर आमजन को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं और योजनाओं की जानकारी ली।

प्रमुख सचिव निहारिका बारिक ने हितग्राहियों से सीधे संवाद कर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी प्राप्त की तथा अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों के गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार शासन और जनता के बीच संवाद का प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है, जिसके माध्यम से लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है।

समाधान तक रही अधिकारी- कर्मचारियों की मौजूदगी

शहर में आयोजित पिछली दो शिविरों में अतिथियों के आगमन और जाने का इंतजार करने वाले अफसर और कर्मचारी इस शिविर में पूरी शिद्दत के साथ समापन तक बैठे नजर आए। बता दें कि केवल शिविर में औपचारिकता पूरी करने के मुद्दे को हरिभूमि ने प्रमुखता से उठाया था जिसके बाद टाउन हॉल में आयोजित समाधान शिविर में इसका सीधा असर देखने को मिला और अफसर अंत तक समस्या लेकर पहुंचने लोगों के आवेदनों को गंभीरता से सुनते और निराकरण का प्रयास करते नजर आए।

गर्भवती महिलाओं को मिली सुपोषण टोकरी

कार्यक्रम के दौरान बारिक ने गर्भवती माताओं एवं बच्चों को सुपोषण टोकरी वितरित कर उनके बेहतर स्वास्थ्य और पोषण के लिए संचालित गतिविधियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि कुपोषण मुक्त समाज के निर्माण में जनभागीदारी और विभागीय समन्वय की महत्वपूर्ण भूमिका है।

शिविर में इनकी रही मौजूदगी

शिविर में नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू, कलेक्टर विनय लंगेह, पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हेमंत नंदनवार एवं स्थानीय पार्षदगण उपस्थित रहे। शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लेकर शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त की तथा अपनी समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदनों की स्थिति जानी। जिले में आयोजित सुशासन तिहार के इस अंतिम शिविर में जनसहभागिता और उत्साह का विशेष माहौल देखने को मिला। अंतिम शिविर में भी बड़ी संख्या में हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया।

आदेशों की अनदेखी, रात के अंधेरे में जलाई जा रही पराली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

जिले में जिला प्रशासन और कलेक्टर द्वारा खेतों में पराली जलाने पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाने के कड़े आदेश दिए गए हैं, बावजूद इसके जिले में यह समस्या थमने का नाम नहीं ले रही है। हैरानी की बात यह है कि खेतों में पराली जलाने से आए दिन हो रही दुर्घटनाओं के बाद भी जिम्मेदार विभाग और स्थानीय प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है।

जिले के जिला मुख्यालय से लगे 5 से 6 गांवों में स्थिति अत्यंत चिंताजनक बनी हुई है। जैसे ही शाम ढलती है और रात का अंधेरा छाता है, किसान अपने खेतों में बची हुई पराली को आग के हवाले कर देते हैं। रात के समय पराली जलाने का मुख्य कारण अधिकारियों की नजर से बचना है। इस अवैध गतिविधि के कारण न केवल खेतों की मिट्टी की उर्वरक क्षमता नष्ट हो रही है, बल्कि इससे निकलने वाला घना धुआं आसपास के गांवों और सड़कों पर भी भारी समस्या उत्पन्न कर रहा है।

दुर्घटनाओं का खतरा और प्रशासन की चुप्पी

धुएं के कारण सड़कों पर दृश्यता कम हो जाती है, जिससे रात के समय गुजरने वाले वाहन चालकों के लिए दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। जिले में पहले भी पराली जलाने के कारण आगजनी की कई घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें कई बार खेतों की फसलें जलकर राख हो गई हैं और पास के रिहायशी इलाकों तक आग पहुंचने का खतरा बना रहता है।

जिले भर में स्थिति गंभीर

पर्यावरण विशेषज्ञों और जागरूक नागरिकों का कहना है कि पराली जलाने से वायु प्रदूषण बढ़ता है और मिट्टी के मित्र कीट भी मर जाते हैं, जिससे कृषि को दीर्घकालिक नुकसान होता है। अब सवाल यह उठ रहा है कि क्या प्रशासन किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रहा है। यदि समय रहते जिम्मेदार विभागों ने सख्त कार्रवाई नहीं की, तो आने वाले समय में जिले में सड़क दुर्घटनाओं और आगजनी के मामलों में और अधिक वृद्धि हो सकती है।

खबर संक्षेप

पुरानी रंजिश को लेकर मारपीट

महासमुंद। ग्राम फरफौद में पुरानी रंजिश को लेकर मारपीट के मामले में दो लोगों के विरूद्ध पटेवा थाने में जुर्म दर्ज किया गया है। पुलिस को प्रेम प्रकाश ने बताया कि वह अपने साथी ताम्रध्वज दीवान नरतोरा निवासी के साथ ट्रैक्टर से भटगांव खार जा रहा। रात करीबन 9 बजे सरई ढोडगी तालाब के पास परमेश्वर यादव, भुनेश्वर यादव डंडा लेकर आये और पुरानी रंजिश को लेकर गालियां और जान से मारने की धमकी देते हुए हाथ मुक्का, डंडा एवं टंगिया के बेट से मारने लगे। इस बीच बचाव करने आए ताम्रध्वज दीवान के साथ भी आरोपियों ने मारपीट की। मामले की रिपोर्ट पर आरोपियों के विरूद्ध धारा 115(2), 296, 3(5), 351(3) बीएनएस के अंतर्गत अपराध दर्ज किया गया है।

बिना खाद लिए लौटे किसान

महासमुंद। जिले के झलप क्षेत्र के ग्राम छिंदौली के एक राइस मिल/गोदाम में यूरिया खाद छिपाकर रखे जाने की सूचना पर प्रशासनिक टीम ने छापा मारा। मौके पर अधिकारियों ने लगभग 400 बोरी यूरिया खाद बरामद होने की बात कहते हुए खाद को वितरण करने की बात कही। किसानों को खाद वितरण करने की जानकारी ने पर वे आधार कार्ड और किसान किताब लेकर पहुंचे थे। लेकिन किसानों को ई-पॉस मशीन खराब होने का हवाला देकर उन्हें वापस लौटा दिया गया।

बस की टक्कर से कार क्षतिग्रस्त

महासमुंद। छुईपाली टोल प्लाजा के पास रिवर्स हो रही बस की टक्कर से एक कार क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस को अधिवक्ता हेमेश कुमार दुबे ने बताया कि 31 मई को अपनी कार से ग्राम पैकिन जा रहा था, शाम करीबन 04.45 बजे छुईपाली टोलप्लाजा के पास ग्राम छुईपाली के पास पहुंचने पर बस क्रमांक सीजी 06 एचबी 7775 के चालक ने लापरवाही पूर्वक अपने वाहन को रिवर्स करते हुए उसकी कार को ठोकर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया। मामले की रिपोर्ट पर आरोपी वाहन चालक के विरूद्ध धारा 281-बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज किया गया है।

सास और देवर ने महिला के साथ की गाली गलौज

महासमुंद। नयापारा में एक महिला से गाली गलौज और जान से मारने की धमकी देने के मामले में आरोपी सास और देवर के विरूद्ध सिटी कोतवाली में जुर्म दर्ज किया गया है। पुलिस को भारती ओगरे ने बताया कि 3 जून को उसकी सास कातिकमती ओगरे और देवर सूरज ओगरे ने विवाद करते हुए गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। मामले की रिपोर्ट पर आरोपियों के विरूद्ध धारा 296, 3(5), 351(3) बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज किया गया है।

दंपति की दबंगई, महिला को कुत्ते से कटवाने का प्रयास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

ग्राम बड़ेसाजापाली में एक महिला के साथ मारपीट और कुत्ते से कटवाने का प्रयास करने वाले आरोपी दंपत्ति के खिलाफ बसना थाने में जुर्म दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

पुलिस ने बताया कि जमुना बाई भारद्वाज पति मोतीराम भारद्वाज (50 वर्ष) ने रिपोर्ट लिखाई है कि वह नोनीबाई बंजारे के बाड़ी में सब्जी-भाजी लगाने तथा उसकी देखरेख का काम करती है। उसे गांव का ईश्वर भारद्वाज अक्सर नोनी बाई बंजारे के पास काम करने के लिए मना करता है। लेकिन, उसकी बात को अनसुना करके काम पर जाती थी। ईश्वर भारद्वाज के द्वारा 02 जून की शाम लगभग 5.30 बजे उसके घर घुसकर हाथ को पकड़कर मुक्के से मारपीट किया गया।

घटना के बाद ईश्वर भारद्वाज के द्वारा निजी रूप से बैठक 03 जून को सुबह 7 बजे बुलाया, जिसमे प्रार्थी को भी बुलाया गया। लेकिन, वह बैठक में नहीं गई थी, तभी वह गुस्से में आकर अपनी पत्नी लक्ष्मी बाई भारद्वाज व अन्य ग्राम एवं समाज के उपस्थिति में उसके घर के सामने आकर गालियां देने लगा। उसके बाद ईश्वर भारद्वाज एवं उसकी पत्नी ने सबके सामने गाल में थप्पड़ से मारे और गला दबाने का प्रयास किया।

घटना के बाद ईश्वर भारद्वाज ने पाले हुये कुत्ते से प्रार्थी को कटवाने का प्रयास किया। आरोपी ने धमकी दी कि अनिता सक्सेना वाले केस में कोर्ट में गवाही देगी तो जान से मार देंगे। मामले में आरोपी दंपत्ति के विरूद्ध धारा 331 (3), 296, 351 (3), 115(2), 3 (5) बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

लाफिनखुर्द में लगी भीषण आग, गरीब मजदूर का आशियाना हुआ खाक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

जिले के ग्राम लाफिनखुर्द में गुरुवार दोपहर को श्रमिक का कच्चा मकान जलकर पूरी तरह राख हो गया। इस हादसे में परिवार की जमा-पूंजी और जरूरी सामान नष्ट होने से पीड़ित परिवार के सामने संकट खड़ा हो गया है। घटना गुरुवार दोपहर लगभग 12:30 बजे की है। ग्राम लाफिनखुर्द निवासी संतराम विश्वकर्मा, जो मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं, उस समय काम पर गए हुए थे। घर पर उनकी माता सरोज बाई विश्वकर्मा और 13 वर्षीय पुत्र पोषण विश्वकर्मा मौजूद थे। अचानक घर की छत से धुआं और आग की लपटें उठती देख वे घबरा गए और किसी तरह बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। ग्रामीणों ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया और पूरे मकान को अपनी चपेट में ले लिया। पीड़ित परिवार के अनुसार, इस आग में घर में रखा सारा सामान जलकर नष्ट हो गया है। इसमें कपड़े, बर्तन, राशन सामग्री, कूलर, फ्रिज, टीवी और होम थिएटर जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण शामिल हैं। इसके अलावा, घर में रखे सोने-चांदी के आभूषण और अन्य कीमती दस्तावेज भी जलकर खाक हो गए हैं। संतराम विश्वकर्मा ने बताया कि इस घटना में उनका लगभग 6 से 7 लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

परिवार के सामने रहने का संकट

मजदूरी से बमुश्किल अपना घर चलाने वाले संतराम के लिए यह नुकसान भरपाई से बाहर है। आग के कारण पूरा घर क्षतिग्रस्त हो गया है। पीड़ित परिवार ने बताया कि जल्द ही मानसून शुरू होने वाला है। यदि समय रहते प्रशासन ने मदद नहीं की और पक्के घर की व्यवस्था या मरम्मत के लिए आर्थिक सहायता नहीं मिली, तो बारिश में यह क्षतिग्रस्त मकान ढह सकता है। ऐसी स्थिति में परिवार के सामने खुले आसमान के नीचे रहने की नौबत आ जाएगी।

प्रशासन से मदद की गुहार

घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने पीड़ित परिवार के प्रति सहानुभूति व्यक्त की है और प्रशासन से मांग की है कि परिवार को तत्काल राहत राशि प्रदान की जाए। संतराम ने भी जिला प्रशासन से गुहार लगाई है कि उनकी आर्थिक स्थिति को देखते हुए उन्हें उचित मुआवजा और आवासीय सहायता दी जाए।

प्रभारी सचिव ने 15 अगस्त से पहले प्रारंभ करने के दिए निर्देश

निर्माणाधीन जिला पुस्तकालय भवन का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

जिला मुख्यालय स्थित निर्माणाधीन

- सुविधाओं तथा संचालन संबंधी तैयारियों की ली जानकारी

जिला पुस्तकालय भवन का निरीक्षण छत्तीसगढ़ शासन गृह एवं जेल विभाग की प्रमुख सचिव एवं जिले की प्रभारी सचिव निहारिका बारिक ने महासमुंद प्रवास के दौरान किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पुस्तकालय भवन की प्रगति, उपलब्ध सुविधाओं तथा संचालन संबंधी तैयारियों का जायजा लिया।

प्रभारी सचिव बारिक ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिला पुस्तकालय का कार्य शीघ्र पूर्ण कर इसे आगामी 15 अगस्त से पूर्व आमजन, विद्यार्थियों एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए प्रारंभ किया जाए। उन्होंने पुस्तकालय में सभी आवश्यक सुविधाएं समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराने तथा संचालन व्यवस्था को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ हेमंत नंदनवार, जिला, एसडीएम अक्षा गुप्ता, जिला शिक्षा अधिकारी बीएल देवांगन एवं संबंधित विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि जिला पुस्तकालय को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है। पूर्णतः वातानुकूलित यह पुस्तकालय लगभग 500 पाठकों की बैठने की क्षमता वाला होगा। यहां विद्यार्थियों एवं पाठकों को निःशुल्क वाई-फाई सुविधा उपलब्ध होगी। भवन में लिफ्ट की सुविधा, पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था तथा दिव्यांगजन-अनुकूल पहुंच सुनिश्चित की गई है। पुस्तकालय में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए निःशुल्क कोचिंग एवं निःशुल्क वाचनालय की व्यवस्था भी की जाएगी। वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष सीनियर सिटीजन कॉर्नर तथा बच्चों में अध्ययन की रुचि विकसित करने के उद्देश्य से चिल्ड्रन कॉर्नर स्थापित किया जा रहा है। प्रारंभिक चरण में पुस्तकालय में लगभग 15 हजार से 20 हजार पुस्तकों का संग्रह उपलब्ध रहेगा, जिसमें साहित्य, इतिहास, विज्ञान, तकनीक, सामान्य ज्ञान, प्रतियोगी परीक्षाओं एवं विभिन्न विषयों की संदर्भ पुस्तकें शामिल होंगी। साथ ही पुस्तकालय परिसर में 13 व्यावसायिक दुकानें तथा एक रेस्टोरेंट की सुविधा भी विकसित की जा रही है, जिससे पाठकों एवं आगंतुकों को आवश्यक सेवाएं एक ही परिसर में उपलब्ध हो सकेंगी। सुरक्षा एवं निगरानी के लिए संपूर्ण परिसर को सीसीटीवी सर्विलांस प्रणाली से जोड़ा जाएगा। इसके साथ ही यह पूर्णतः ऑटोमेटेड ग्रंथालय होगा, जहां पुस्तकों के निर्गमन, वापसी एवं सूचीकरण जैसी प्रक्रियाएं आधुनिक तकनीक के माध्यम से संचालित की जाएंगी।

महिला की मौत मामले की जांच, अज्ञात आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

नगर वार्ड 29 में रहने वाली एक महिला की मौत मामले की जांच के बाद सिटी कोतवाली थाने में अज्ञात आरोपी के विरूद्ध हत्या का मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने बताया कि मृतका रानू देवी कन्नौजे पति स्व. रमेश कन्नौजे (38 वर्ष) की मौत के मामले में दर्ज मर्ग क्र 74/2026 धारा 194 बीएनएस की जांच की गई।

जांच के दौरान मृतका के रिश्तेदारों व अन्य लोगों ने से पूछताछ की गई। इस दौरान मृतक के भतीजे विजय कन्नौजे से भी पूछताछ की गई। पुलिस ने बताया कि रानू देवी के पति की मृत्यु लगभग तीन वर्ष पूर्व हो चुकी है तथा रानू देवी से विजय कन्नौजे का प्रेम संबंध था। 14 जून 26 को जब विजय कन्नौजे अपने घर ग्राम अमेरी थाना मंदिर हसौद में था, तभी रानू देवी ने उसे फोन कर बताया कि उसकी तबियत ठीक नहीं है, जिस पर विजय कन्नौजे मृतका के पास उसके निवास स्थान ब्लाक नं 83 सेक्टर 30 रूम नंबर 103 थाना राखी नया रायपुर में रात करीब 10 बजे पहुंचा। रानू देवी ने कहा कि हम दोनों के संबंध के लिए उसकी बहन टोकाटाकी कर रही थी, इसी बात को लेकर वह परेशान है। थोड़ी देर बाद अपने घर के कमरे के पंखे में दुपट्टा से फांसी लगा ली थी, जिस पर विजय कन्नौजे ने तुरंत फांसी से उतारा और वह किराये की गाडी कर मृतका को अपने घर ग्राम अमेरी ले गया।

वहां पर मृतका का लड़का तुषार कन्नौजे तथा विजय कन्नौजे की पत्नी रिषिका कन्नौजे थी। उस समय रानू देवी जीवित थी और अच्छा नहीं लग रहा है कहकर वह सो गई। थोड़ी देर बाद रानू देवी की चिल्लाने की आवाज आई तो घर अंदर जाकर देखा तो रानू देवी का हाथ पैर ठंडा हो गया था, बातचीत नहीं कर पा रही थी और उसकी मृत्यु हो चुकी थी। इस पर विजय कन्नौजे द्वारा रानूदेवी के ससुराल वालों से फोन से बातचीत कर उसकी मृत्यु की सूचना दी, जिस पर महासमुंद स्थित घर लेकर आने कहा और विजय कन्नौजे मृतका के शव को लेकर जिला अस्पताल पहुंचा था। जहां मृतका का पीएम डाक्टरों की टीम से कराया गया है। पीएम रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने बताया कि रानू देवी की मृत्यु किसी व्यक्ति द्वारा गला दबाने पर दम घुटने से हुई है, जिस पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध अपराध धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

खबर संक्षेप

रक्तदान शिविर, सड़क सुरक्षा के लिए किया जागरूक

रायपुर। सुरक्षित भवः फाउंडेशन, रायपुर ट्रैफिक पुलिस, राष्ट्रीय प्रत्यक्ष कर अकादमी, अपना ब्लड सेंटर एवं रोड सेफ्टी क्लब के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को जीएसटी कार्यालय, पुजारी पार्क के सामने, रायपुर में रक्तदान शिविर एवं सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस दौरान आईआरएस शैलेंद्र कुमार कमिश्नर (अपील), आईआरएस शिवी सांगवानजॉइंट डायरेक्टर, सलमान इम्तियाज हुसैनी, अतिरिक्त सहायक निदेशक, डीसीपी ट्रैफिक सतीश ठाकुर, डॉ. संदीप धुप्पड़ चेयरमैन सुरक्षित भवः फाउंडेशन, डॉ. केशव राव, डायरेक्टर सुरक्षित भवः फाउंडेशन ने अपना उद्बोधन दिया। कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वय सुरक्षित भवः फाउंडेशन की डिप्टी डायरेक्टर निधि अग्रवाल ने किया। जीएसटी इंस्पेक्टर योगेश मौर्या का सहयोग प्राप्त हुआ। इस अवसर पर फाउंडेशन के सदस्य बलविंदर सिंह, ऋषित कुमार सोनी ,मैत्री व्यास, देवाशीष, रक्षा, सुरक्षा, लक्ष्मण, रोहित, अपना ब्लड बैंक रायपुर से अभय जैन, सागर साहू, गजेंद्र साहू, खूबचंद वर्मा, पंकज, मयंक, हिमांशु एवं आदित्य सहित अनेक स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

जंतर-मंतर के सीजेपी प्रदर्शन में शामिल होगी जकांछ पार्टी

रायपुर। जनता कांग्रेस छत्तीसढ़ जे के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी ने कहा हमें गर्व है कि जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) देश की पहली और अभी तक की एकमात्र मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टी है, जो 6 जून के जंतर-मंतर के सीजेपी प्रदर्शन में भाग ले रही है। उम्मीद है, हम आखिरी नहीं होंगे। 6 जून को जंतर मंतर नई दिल्ली में पार्टी का प्रतिनिधित्व हमारे महासचिव नीलेश चौहान करेंगे। उन्होंने कहा, हम डीएनए से कांग्रेसी हैं। यह हमारी पहचान है, हमारी विरासत है, लेकिन आज के भारत में जहां दशकों पुरानी पार्टियां टीएमसी और शिवसेना जैसी रातों-रात ऑपरेशन लोटस की भेंट चढ़ जाती हैं, कांग्रेसी होने के लिए भी तिलचट्टा बनना पड़ेगा। यानी हर दबाव में, हर खतरे में, अपनी व्यक्तिगत स्वतंत्रता को दाँव पर लगाकर भी टिके रहना। उन्होंने कहा, हम जनता कांग्रेस में यह जानते हैं, हम वहां रह चुके हैं और इसीलिए अभिजीत दीपके का साहस हमें छूता है, वे आज के भारत में वापस लौट रहे हैं।

हज के लिए आवेदन प्रक्रिया अतिशीघ्र होगी प्रारंभ

रायपुर। हज-2027 के लिए आवेदन की प्रक्रिया की घोषणा अतिशीघ्र किया जाना संभावित है। छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के चेयरमैन मिर्जा एजाज बेग ने बताया कि हज कमेटी ऑफ इंडिया मुंबई के सर्कुलर 1 से प्राप्त सूचना अनुसार हज-2027 की आवेदन प्रक्रिया की घोषणा शीघ्र ही हज कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा की जाएगी। श्री बेग ने कहा है कि 2027 में हज कमेटी के माध्यम से हज यात्रा पर जाने के इच्छुक समस्त संभावित आजमीने हज, जो 31 दिसंबर 2027 तक या उससे अधिक की वैधता युक्त अपना मशीन रीडेबल इंटरनेशनल पासपोर्ट तैयार कर लें, जिससे हज कमेटी ऑफ इंडिया से हज 2027 की घोषणा होने पर वे अपना आवेदन समय पर प्रस्तुत कर सकें। ऐसे आवेदक, जो नए पासपोर्ट के लिए आवेदन कर रहे हैं, उन्हें सलाह दी जाती है कि वे अपने पासपोर्ट में अपना सरनेम, लास्ट नेम जरूरी तौर पर दर्ज करें।

सिलयारी चौकी प्रभारी के निलंबन तक कांग्रेस का आंदोलन जारी रहेगा

रायपुर। जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण के जिलाध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे ने कहा, धरसीवा क्षेत्र की नाबालिग गैंगरेप पीड़िता को न्याय दिलाने की लड़ाई कांग्रेस पूरी मजबूती से लड़ रही है। कांग्रेस की मांग है कि मामले में उठ रहे गंभीर सवालों को देखते हुए सिलियारी चौकी प्रभारी जितेंद्र दुबे को तत्काल निलंबित कर निष्पक्ष विभागीय जांच कराई जाए। उन्होंने कहा कि घटना को डेढ़ माह से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन आज भी कई सवाल अनुत्तरित हैं।

छत्तीसगढ़ कलाकार सम्मान समारोह में भिथीडीह समिति सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▸▸| पिथौरा

छत्तीसगढ़ कलाकार सम्मान समारोह के अवसर पर पिथौरा अंचल के भिथीडीह समिति को उत्कृष्ट आयोजन समिति के सम्मान से नवाजा गया। यह सम्मान समिति को आयोजन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान, समर्पण एवं प्रेरणादायी आयोजन के लिए प्रदान किया गया। कार्यक्रम के मौके पर सम्मान समारोह आयोजन समिति सदस्यों के साथ मुख्य अतिथि पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू के हाथों ग्राम भिथीडीह (पिथौरा) अध्यक्ष हरि नेताम ने प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो के रूप में यह सम्मान प्राप्त किया।

राज्य स्तरीय छत्तीसगढ़ डीजे डांस कलाकार महासंगठन के बैनर तले कलाकार सम्मान समारोह 2026 का आयोजन रायपुर के कालीबाड़ी के रंग मन्दिर में हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ताम्रध्वज साहू पूर्व गृहमंत्री छग शासन रहे। कार्यक्रम प्रमुख संरक्षक

दिवाकर वासनिक, रूपेश नायक, संजू तांडी, विनोद ठाकुर, अध्यक्ष खिलेश्वर साहू, महासचिव निलेश पटेल, कोषाध्यक्ष श्यामचरण निषाद, महासमुंद जिलाध्यक्ष पवन मानिकपुरी अहम भूमिका रही। ग्राम भिथीडीह (पिथौरा) को उत्कृष्ट आयोजक समिति के बतौर मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र का सम्मान प्रदान करते हुए सम्मान समारोह आयोजन समिति छत्तीसगढ़ डीजे कलाकार महासंगठन ने उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना संदेश में कहा है कि आयोजन की दिशा में उत्कृष्ट योगदान, प्रेरणादायी कार्यों, विशिष्ट कला के माध्यम से छत्तीसगढ़ की कला एवं संस्कृति को आगे बढ़ाने, कलाकारों को प्रोत्साहित करने तथा हमारी संस्कृति को नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वहीं सम्मान प्राप्त भिथीडीह आयोजक समिति अध्यक्ष हरि नेताम (शिक्षक) और समिति पदाधिकारी व सदस्यों में शैलेंद्र डडसेना (उपसरपंच), सरपंच प्रतिनिधि चक्रधर ठाकुर, पुनीत सिन्हा, मंच संचालक मोहित निषाद, योगेश तिवारी, वेद नेताम, अनिल चौधरी, बलराम नेताम, संतोष कनौजे, दीनदयाल ठाकुर, गंगा नेताम, टिकेश्वर डडसेना, यशवंत गर्ग, गीतेश चौधरी, रघुनाथ ध्रुव, लक्ष्मीकांत ध्रुव, मनहरण यादव, भागीरथी साहू, मानसिंग नेताम, खेमलाल देवदास, ललित सिन्हा, ताराचंद नायक, अमित चौधरी, त्रिलोक साहू, टीकाराम साहू, छन्नू कनौजे, दिनेश, लोकेश साहू, राम कनौजे, हरि गजेंद्र, लाला डडसेना, संतराम साहू, देवानंद नेताम, उत्तमदास, हरिकेश लीलाधर, गोपाल डडसेना, रामू ठाकुर, सुभाष, सोहन, समर्पण सोना, राजेंद्र सिन्हा, कला प्रेमी एवं प्रेरणास्त्रोत मुक्ति राम डडसेना, भगत कनौजे, देवनारायण तिवारी, शिवलाल चौधरी, अशोक चौधरी, शोभा सिन्हा, अशोक डडसेना, शिवकुमार अग्रवाल, हीरामनी यादव, नारायण यादव सहित समस्त ग्रामवासी भिथीडीह ने भी हर्ष जताया है।

स्काउट-गाइड्स ने पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

सरायपाली। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण संतुलन एवं जैव विविधता संरक्षण का व्यापक संदेश देते हुए पौधरोपण किया गया एवं स्वच्छता ही सेवा धर्म का अलख जगाया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस की थीम स्वच्छ और हरित पर्यावरण एक सशक्त एवं समृद्ध राष्ट्र की आधारशिला है के तहत पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्थानीय संघ अध्यक्ष ओमप्रकाश चौधरी ने पौधरोपण एवं स्वच्छता कार्य की प्रशंसा की एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी को आगे आने की अपील की। बीईओ एवं पदेन सहायक जिला आयुक्त स्काउट टीसी पटेल ने कहा कि नीम, करंज आदि का रोपण जैव विविधता संरक्षण एवं हरी भरी वातावरण के लिए जरूरी है।

ज़िला प्रतिनिधि स्काउटर किशोर कुमार पटेल ने कहा कि प्रकृति को संरक्षित रखने का कार्य हम सबको सामूहिक रुप से करना जरूरी है। छोटा छोटा ही सही मगर साझा प्रयास से ही सार्थक परिणाम दिखाई देगा। पूर्व सचिव एवं मीडिया प्रभारी हेमंत चौधरी ने कहा कि पर्यावरण का संरक्षण जरूरी है। क्योंकि, इसके प्रदूषित होने से विभिन्न समस्याएं उत्पन्न होंगी जो हम सबके लिए घातक सिद्ध होगा। स्थानीय संघ सचिव यशवंत कुमार चौधरी ने कहा कि स्वच्छ पर्यावरण और हरित विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता जाहिर किया। प्रकृति संरक्षण, जल संवर्धन, वृक्षारोपण और पर्यावरण संतुलन के प्रति जिम्मेदारी निभाने और नई पीढ़ी को सुरक्षित

भविष्य देने की जरूरत पर बल दिया।

स्काउट प्रभारी शिक्षक संजय नंद ने कहा कि प्राकृतिक संतुलन के लिए पौधरोपण और थीम-प्रकृति से प्रेरित, जलवायु के लिए, हमारे भविष्य के लिए सार्थक है। वरिष्ठ स्काउट नागेश्वर दीवान ने कहा कि जलवायु परिवर्तन अब सीधे रोजमर्रा के जीवन को प्रभावित कर रहा है इसलिए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और प्रकृति के साथ जीवन जीने की जरूरत पर बल दिया और पर्यावरण संरक्षण के लिए खूब मेहनत करने और प्लास्टिक मुक्ति अभियान, स्वच्छता अभियान, जल संरक्षण अभियान जलवायु सरंक्षण अभियान आदि से सक्रियता से जुड़कर धरातल पर कार्य करने प्रेरित किया गया। साथ ही आसपास के लोगों को भी इस अभियान से जोड़ने की अपील की गई।

पर्यावरण संरक्षण केवल एक दायित्व नहीं, नैतिक जिम्मेदारी भी हैः सरला

सरायपाली। विश्व पर्यावरण दिवस पर राज्य महिला आयोग की सदस्य सरला कोसरिया ने प्रदेशवासियों एवं क्षेत्रवासियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रकृति केवल हमारे जीवन का आधार नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, सभ्यता और अस्तित्व की सबसे बड़ी संरक्षक है। पर्यावरण का संरक्षण और संवर्धन वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। सरला कोसरिया ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दायित्व नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी भी है। बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन से पर्यावरणीय संतुलन प्रभावित हो रहा है, जिसे बचाने के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने नागरिकों से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने, जल संरक्षण को बढ़ावा देने, प्लास्टिक के उपयोग को कम करने तथा स्वच्छता बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे प्रयास मिलकर बड़े सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं और हरित, स्वच्छ एवं समृद्ध भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। विश्व पर्यावरण दिवस पर राज्य महिला आयोग की सदस्य सरला कोसरिया ने सभी नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन एवं प्रकृति के प्रति संवेदनशील जीवनशैली अपनाने का संकल्प लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण सुनिश्चित किया जा सकता है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पटपरपाली में स्वच्छ गांव-सुरक्षित जलवायु अभियान की शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ▸▸| पटपरपाली (कोमाखान)

विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ मां के नाम और स्वच्छ गांव सुरक्षित जलवायु नामक विशेष अभियान की शुरुआत की जा रही है। जिसके तहत विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। एक पेड़ मां के नाम अभियान प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई उस पहल का तीसरा चरण है, जिसके अंतर्गत हर नागरिक को अपनी मां या धरती मां के नाम पर एक पौधा लगाने के लिए प्रेरित किया जाता है।

ग्राम पंचायत सरपंच लता कमलेश टांडेय ने बताया कि एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 05 जून 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर की थी। इस अभियान की अपील करते हुए प्रधानमंत्री ने सभी नागरिकों से इस पहल के माध्यम से रहने योग्य एक बेहतर पृथ्वी के निर्माण और सतत विकास में योगदान देने का अनुरोध किया था। एक पेड़ मां के नाम अभियान भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया एक वृहद वृक्षारोपण अभियान है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य देश में वृक्षों की संख्या बढ़ाना, पर्यावरण संरक्षण करना और लोगों को वृक्षारोपण के प्रति जागरूक करना है।

राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा द्वारा जिलों के सभी बेसिक शिक्षा अधिकारियों को भेजे गए निर्देशों में कहा गया है कि इस अभियान को मिशन लाइफ के तहत संचालित किया जाएगा। स्कूलों में ईको क्लब की मदद से इसे लागू किया जाएगा, जिससे बच्चों के साथ-साथ अभिभावकों और स्थानीय समुदाय की भागीदारी की जाएगी। हर विद्यालय को पौधे लगाने का लक्ष्य दिया गया है। पौधरोपण के लिए स्कूल परिसर, स्कूल के आसपास की खाली भूमि, ग्राम पंचायतों द्वारा चिह्नित स्थान, जल स्त्रोतों के आसपास, सार्वजनिक स्थल, पार्क, स्मार्ट सिटी योजना के अंतर्गत क्षेत्र, नगर वन, ग्रीन बेल्ट, और सड़क किनारे की भूमि जैसे स्थानों को प्राथमिकता दी जाएगी। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। अभियान में वन विभाग, उद्यान विभाग, शहरी निकाय और पंचायत राज विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही नर्सरियों से निःशुल्क पौधे प्राप्त किए जा सकेंगे।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पटपरपाली सोसायटी अध्यक्ष कमलेश कुमार टाण्डेय, पटपरपाली पंचायत सचिव बेदनाथ देवांगन, रोजगार सहायक एशराम साहू, पंचगण थलेश्वरी साहू, हवंत साहू, सुनीता साहू, मुकेश गुप्ता, हेमलता साहू, कल्पना तिवारी, मनोज साहू, कांति साहू, मोहन साहू, चेतन साहू, केशराम साहू, सुरित साहू, मनोज साहू, विश्वा, दयानंद साहू, लोकेश साहू, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मीना साहू, गमला साहू, रूपेश कुमार साहू आदि मौजूद रहे।

यूथ कांग्रेस : महासचिव बनने 600 उम्मीदवारों ने दिया साक्षात्कार

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

> ■ दोपहर 12 बजे से प्रारंभ हुआ साक्षात्कार चलता रहा रात्रि 10 बजे तक

यूथ कांग्रेस चुनाव को लेकर प्रदेश में गहमा-गहमी तेज हो गई है। गुरुवार को महासचिव पद के लिए लगभग 600 उम्मीदवारों ने साक्षात्कार दिए। इंटरव्यू के आधार पर इनमें से 150 उम्मीदवारों की सूची बनाई जाएगी, जो महासचिव पद पर चुनाव लड़ सकेंगे। सूची जून के पहले पखवाड़े में जारी होने की संभावना है। गुरुवार दोपहर 12 बजे साक्षात्कार प्रारंभ हुआ। कैंडिडेट्स को संभाग आधार पर टाइम-स्लॉट दिया गया था। साक्षात्कार रात्रि 10 बजे तक चलता रहा। छत्तीसगढ़ यूथ कांग्रेस में महासचिव के 54 पद हैं। इनमें से 12 सीटें ही सबसे लिए खुली हैं, जबकि शेष में आरक्षण लागू है। रायपुर संभाग से महासचिव पद के साक्षात्कार में शामिल होने वाले यूथ कांग्रेस के वर्तमान मीडिया चेयरमैन तुषार गुहा, मनहरण वर्मा, राज चंद्राकर, सतीश ठाकुर, विराट चंद्राकर सहित यूथ कांग्रेस के पुराने सदस्य भी शामिल रहे।

हड़ताल से 14 हजार से अधिक प्रकरणों की सुनवाई प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

छत्तीसगढ़ में तहसीलदार और नायब तहसीलदारों ने राजापुर की घटना को लेकर 29 मई से हड़ताल शुरू की। 1 जून से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की घोषणा की। हड़ताल शुरू होने के समय ही प्रदेश के तहसील कार्यालयों में लगभग 14,223 राजस्व प्रकरणों में सुनवाई तय थी, जो प्रभावित हुई। वहीं इस दौरान हड़ताल के कारण हजारों नए प्रकरण भी दर्ज हुए। हड़ताल में करीब 500 तहसीलदार और नायब तहसीलदार काम से दूर रहे, जिससे नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, आय-जाति-निवास प्रमाणपत्र और राजस्व न्यायालयों की सुनवाई प्रभावित हुई। तहसील कार्यालयों में सुनवाई स्थगित करनी पड़ी। 2–5 जून के लिए निर्धारित कई मामलों की अगली तारीख एक सप्ताह आगे बढ़ा दी गई। राजस्व अदालतों की सुनवाई, प्रमाणपत्र जारी करने और भूमि संबंधी कार्य प्रभावित रहे, लेकिन लंबित मामलों की संख्या सार्वजनिक

नहीं की गई। बताया गया है कि गुरुवार से काम पर लौटने के बाद कामकाज शुरू हो गया है। बताया गया है कि प्रदेश में भूमि संबंधी प्रकरणों के साथ ही राजस्व के मामले बड़ी संख्या में लंबित है। इनमें दुर्ग जिले में सबसे अधिक 9296, रायपुर जिले में 5182, बिलासपुर में 4920, रायगढ़ में 4884, राजनांदगांव में 3960 राजस्व प्रकरण लंबित है। वैसे देखा जाए तो इन प्रकरणों में पूरे राज्य में नामांतरण के 24 हजार 143, बंटवारा के 7534 और सीमांकन के 5372 प्रकरण लंबित हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर बोले केदार

हरियर छत्तीसगढ़ हमारी पहचान संरक्षण और संवर्धन हमारी जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

> ■ जनभागीदारी से पर्यावरण संरक्षण का मॉडल बन रहा है छत्तीसगढ़

विश्व पर्यावरण दिवस पर वन मंत्री केदार कश्यप ने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा, छत्तीसगढ़ अपनी समृद्ध वन संपदा, जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों के कारण देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। राज्य सरकार प्रकृति संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन को विकास की मूल धुरी मानकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में वन संरक्षण, वन्यजीव संरक्षण और हरित आवरण बढ़ाने के लिए अनेक अभिनव पहलें की जा रही हैं। पिछले दो वर्षों में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के माध्यम से करोड़ों पौधों का रोपण किया गया है। इससे जनभागीदारी के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप दिया है। उन्होंने बताया कि राज्य के लगभग 44 प्रतिशत भूभाग पर वन क्षेत्र है, जो देश के प्रमुख वनाच्छादित क्षेत्रों में से एक है। वनों के संरक्षण के साथ-साथ उनके वैज्ञानिक प्रबंधन, प्राकृतिक पुनर्जनन और वृक्षारोपण के माध्यम से हरित क्षेत्र को और सुदृढ़ किया जा रहा है।

ईरान से आने वाला मामरा बादाम चार हजार के पार, पिस्ता के दाम पहुंचे 32 सौ रुपए किलो

ड्राई फ्रूट्स बाजार में जंग की कड़वाहट, दाम में 30 फीसदी तक गर्मी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

ईरान के साथ इजरायल और अमेरिका की जंग चल रही है। ऐसे में ड्राई फ्रूट्स के दाम में भी भारी गर्मी आ गई है। आवक कम होने से दाम 30 फीसदी तक बढ़ गए हैं। दाम ज्यादा होने के कारण डिमांड भी कम हो गई है। ईरान से आने वाला बड़ी साइज का मामरा बादाम थोक में चार हजार के पार हो गया है। अन्य बादाम के दाम 26 सौ से 3000 हजार रुपए हैं। इसी तरह से ईरानी पिस्ता के दाम तीन हजार के पार हो गए हैं। कुल मिलाकर ड्राई फ्रूट्स बाजार में जंग की कड़वाहट घुल गई है।

कारोबारियों का कहना है कि दिल्ली सहित देश के बड़े बाजारों में जो स्टॉक था, वह अब समाप्त हो गया है। जब तक स्टॉक था, तब तक ज्यादा असर नहीं था, लेकिन अब कीमत में भी आग लग गई है। अब तो आवक भी कम हो गई है। दूसरे देशों से घूमकर आने के कारण दाम ज्यादा हो गए है। वैसे इस समय त्योहारी सीजन न होने के कारण डिमांड उतनी ज्यादा नहीं है, लेकिन ड्राई फ्रूट्स की मांग सालभर रहती है।

काजू-किशमिश के दाम ज्यादा

इस समय प्रदेश में काजू और किशमिश के दाम ज्यादा है। थोक कारोबारियों के मुताबिक बीते साल अंगूर की फसल कम होने के कारण ही किशमिश के दाम डबल हो गए थे, जो अब तक चल रहे हैं। जो किशमिश पहले थोक में 225 से 250 रुपए तक थी, वो अब थोक 430 रुपए हो गई है। चिल्हर में यह छह सौ रुपए बिक रही है। हरी किशमिश के दाम में भी दो सौ रुपए का इजाफा हो गया है। यह पांच सौ से बढ़कर सात सौ रुपए हो गई है। चिल्हर में यह 800 सौ बिक रही है। इसी तरह से काजू के बीजों की कमी के कारण काजू के दाम भी बढ़ गए हैं। इस समय काजू थोक में 700 रुपए से 17 सौ रुपए तक है। चिल्हर में इसके दाम 800 से 2000 रुपए तक हैं।

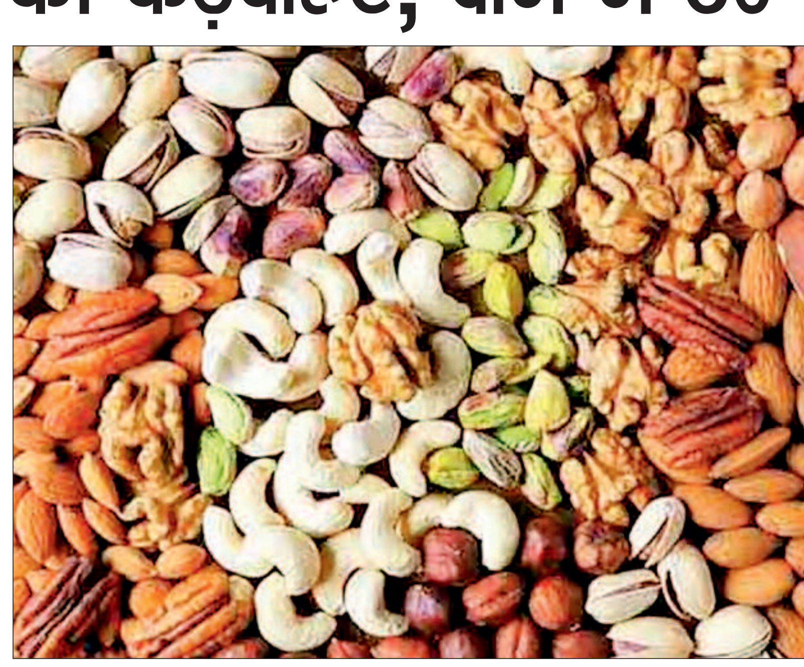

मामरा बादाम चार हजार के पार

जहां ईरान से मामरा बादाम आता है, वहीं अफगानिस्तान से अंजीर और मुनक्का आता है। सबसे अच्छी क्वालिटी के मामरा बादाम के दाम अब थोक में चार हजार के पार हो गए हैं। इसके दाम पहले 35 सौ रुपए के करीब थे, लेकिन अब बढ़कर दाम 42 सौ रुपए हो गए हैं। चिल्हर में इसके दाम साढ़े चार हजार रुपए हैं। इसके अलावा ईरान से आने वाला कुछ कम साइज वाला मामरा बादाम 26 सौ से तीन हजार हो गया है। यह पहले 22 से 26 सौ रुपए था। अफगानिस्तान के बादाम का दाम 18 सौ से 26 सौ रुपए है। जहां तक सामान्य बादाम की बात है तो इसके दाम 800 से 12 सौ रुपए तक हैं।

अंजीर के दाम कम

इस समय अंजीर के दाम बहुत कम हैं। इसका कारण यह है कि इसकी फसल बहुत ज्यादा हो गई है। ऐसे में पहले जो 24 सौ रुपए किलो मिलती थी, वह इस समय 16 सौ रुपए में मिल रही है। इसी तरह से 16 सौ रुपए वाली अंजीर आठ से नौ सौ रुपए किलो बिक रही है। मुनक्का के दाम इस समय 600 से 800 रुपए किलो हैं। ईरानी पिस्ता की कीमत तीन हजार के पार हो गई है। यह पहले 28 सौ रुपए किलो था, जो अब 32 सौ रुपए किलो हो गया है। अन्य पिस्ता 23 से 25 सौ रुपए थोक में और चिल्हर में इसके दाम 25 से 27 सौ रुपए हैं। अमेरिकन पिस्ता 15 सौ रुपए किलो है।

खबर संक्षेप

देशी प्लेन शराब बरामद दो युवकों पर हुई कार्रवाई

महासमुंद। बागबाहरा पुलिस ने दो लोगों के कब्जे से देशी प्लेन शराब बरामद किया गया है। पुलिस ने बताया कि मुखबीर सूचना पर घटनास्थल सोहन यादव के घर के सामने गली में आरोपी गोवर्धन यादव पिता नंदकुमार यादव (22 साल) वार्ड नंबर 04 ढांगाडिपरा बागबाहरा थाना बागबाहर और संजू ठाकुर पिता राजेंद्र ठाकुर (29 साल) वार्ड नंबर 09 जवाहर चौक बागबाहरा थाना बागबाहरा के संयुक्त कब्जे से 80 पौवा शोले देशी प्लेन शराब कुल कीमत 6400 रुपए और घटना मे प्रयुक्त एक स्कूटी क्रमांक कीमत 50000 रुपए को बरामद कर आरोपियों के विरूद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई की गई। इसी तरह पिथौरा पुलिस ने ग्राम गड़बेड़ा की महिला ललिता बाई पति सुखलाल रात्रे (61 वर्ष) के कब्जे से तीन लीटर महुआ शराब कीमत 600 रुपए को बरामद किया। मामले में महिला के विरूद्ध धारा 34(1) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

मां-बाप से मारपीट

महासमुंद। ग्राम मोहनमुड़ा में मां-बाप से मारपीट करने के मामले में आरोपी पुत्र और उसकी पत्नी के विरूद्ध सरायपाली थाने में जुर्म दर्ज किया गया है। पुलिस को सुंदरलाल पटेल ने बताया कि उसका छोटा लड़का सेत कुमार पटेल अपनी पत्नी के साथ अलग रहता है और जो आए दिन शराब पीकर जमीन का बंटवारा करने की बात कहकर अपनी पत्नी मीनाक्षी पटेल के साथ मिलकर मुझे एवं मेरी पत्नी रामकुंवर पटेल के साथ लड़ाई-झगड़ा करता है। 4 जून की रात 10 बजे वह अपने घर के परछी में बैठा था। तभी सेत कुमार पटेल आया और खेती जमीन का बंटवारा दो कहकर विवाद करने लगा, जब उसने विवाद करन से मना किया तब उसने गालियां और जान से मारने की धमकी देकर मारपीट की। इस दौरान बीच बचाव करने आई उसकी पत्नी रामकुंवर पटेल के साथ भी आरोपी सेतकुमार और उसकी पत्नी मीनाक्षी पटेल ने गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देते हुए हाथ मुक्का से मारपीट किया। मामले की रिपोर्ट पर आरोपियों के विरूद्ध धारा 115(2), 296, 3(5), 351(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

हाईस्कूल में एक पेड़ मां के नाम 3.0 अभियान का शुभारंभ

सरायपाली। विश्व पर्यावरण दिवस पर शासकीय हाईस्कूल रोहिना में प्रभारी प्राचार्य अजय कुमार जायसवाल के मार्गदर्शन में एक पेड़ मां के नाम 3.0 अभियान की शुरुआत करते हुए पौधरोपण किया गया। इको क्लब प्रभारी कमलेश साहू ने बताया कि शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार मिशन लाइफ अंतर्गत इको क्लब के माध्यम से विभिन्न पर्यावरणीय गतिविधियां आयोजित किया जाना है तथा विद्यालय स्तर पर 5-30 जून तक ग्रीन समर कैम्प आयोजित किए जाएंगे। जिसमें स्वस्थ जीवन शैली, टिकाऊ खाद्य प्रणाली, ई कचरा कम करना, ऊर्जा, पानी बचाना, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग बंद करना जैसे विषय पर गतिविधियां आयोजित किए जाएंगे।
विश्व पर्यावरण दिवस पर आज एक पेड़ मां के नाम 3.0 विशेष अभियान की शुरुआत की जा रही है। यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई उस अभियान का तीसरा चरण है, जिसके अंतर्गत हर नागरिक को अपनी मां के नाम पर एक पौधा लगाने के लिए प्रेरित किया जाता है। इस वर्ष वृहद वृक्षारोपण अभियान पांच जून से 30 जून तक चलेगा।

चर्चा : प्रभारी सचिव ने ली जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक

आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें : डॉ. निहारिका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

सुशासन तिहार 2026 के क्रियान्वयन एवं आमजन से प्राप्त आवेदनों के गुणवत्तापूर्ण निराकरण की समीक्षा के लिए छत्तीसगढ़ शासन गृह एवं जेल विभाग की प्रमुख सचिव एवं जिले की प्रभारी सचिव निहारिका बारिक ने जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर विभिन्न विभागों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की मंशा के अनुरूप सुशासन तिहार के दौरान प्राप्त आवेदनों, शिकायतों एवं मांगों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम नागरिकों को योजनाओं का वास्तविक लाभ मिल सके। इस अवसर पर कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, जिला पंचायत सीईओ हेमंत नंदनवार एवं जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में प्रभारी सचिव ने विभागवार प्राप्त आवेदनों एवं उनके निराकरण की स्थिति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार शासन और जनता के बीच विश्वास को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। इसलिए प्रत्येक आवेदन का गंभीरता से परीक्षण कर समय सीमा में संतोषजनक एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता है कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और पात्र हितग्राहियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस दिशा में सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें तथा फील्ड स्तर पर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दें। प्रभारी सचिव ने राजस्व विभाग के लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण पर जोर देते हुए कहा कि नामांतरण, बंटवारा एवं सीमांकन जैसे मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए। बैठक में कृषि विभाग द्वारा किसानों को फसल विविधीकरण एवं फसल चक्र परिवर्तन के लिए प्रोत्साहित करने कहा। उन्होंने खरीफ सीजन को देखते हुए खाद एवं बीज की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा के दौरान प्रभारी सचिव ने महतारी वंदन योजना, ई-केवाईसी और आंगनवाड़ी भवनों की जानकारी ली। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, ग्रामीण विकास, स्वच्छता, आयुष्मान भारत योजना, आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्रों के निर्गमन, ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल की सेवाओं, राशन कार्ड, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना तथा सामाजिक सुरक्षा पेंशन सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की भी विस्तृत समीक्षा की गई। प्रभारी सचिव ने सभी विभागों को योजनाओं के शत-प्रतिशत क्रियान्वयन तथा पात्र हितग्राहियों तक लाभ पहुंचाने के लिए सतत प्रयास करने के निर्देश दिए।

प्रभारी सचिव बारिक ने कहा कि आम नागरिकों की समस्या जैसे पेंशन प्रकरण, जाति प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र और छोटी-छोटी समस्याओं का शत प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने मोर गांव मोर पानी अभियान के तहत विशेष अभियान चलाकर जल संरक्षण को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। मनरेगा अंतर्गत श्रमिकों की संख्या बढ़ाने कहा गया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं में भी मेडिकल कॉलेज को शीघ्र प्रारंभ करें। डॉक्टर पूर्ण संवेदनशीलता के साथ मरीजों का इलाज सुनिश्चित करें। उन्होंने 40 शिविरों में प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभाग को 10 दिन के भीतर निराकरण के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने बताया कि 40 शिविरों में कुल 33888 आवेदन प्राप्त हुए है। जिसमें 21590 आवेदनों का निराकरण किया गया है तथा 12290 आवेदन लंबित है। जिसमें मांग आधारित 32863 एवं शिकायत के 1025 आवेदन शामिल है। पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने बताया कि जिले में अपराध नियंत्रण पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। वहीं अवैध शराब के मामलों में भी तेजी से कार्रवाई की जा रही है।

शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम प्राप्त करने में ब्लूप्रिंट की अहम भूमिका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) के दिशा-निर्देशन में आयोजित ब्लूप्रिंट, शिक्षाशास्त्र, आईसीटी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एवं एनपीएसटी विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ।

समापन अवसर पर डाइट के सहायक प्राध्यापक राजेश चंद्राकर ने प्रशिक्षण का अवलोकन करते हुए उपस्थित व्याख्याताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्रशिक्षण की अपनी विशिष्ट उपयोगिता एवं सार्थकता होती है। शिक्षकों को विद्यार्थियों की अधिगम क्षमता के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम प्राप्त करने में ब्लूप्रिंट की महत्वपूर्ण भूमिका होती है तथा शिक्षकों को इसके अनुरूप अध्यापन कार्य करना चाहिए। साथ ही विद्यार्थियों को भी ब्लूप्रिंट की पर्याप्त जानकारी होना आवश्यक है, जिससे वे परीक्षा की बेहतर तैयारी कर सकें।

इस अवसर पर एपीसी सुबोध तिवारी ने कहा कि किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सुनियोजित रणनीति एवं कार्ययोजना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने एआई एवं आईसीटी केंद्रों की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में आधुनिक तकनीकों के प्रभावी उपयोग की विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में बीआरसीसी जागेश्वर सिन्हा, बीआरजी केवल साहू एवं जगदीश ओगरे सहित अन्य व्याख्याता एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने ब्लूप्रिंट निर्माण, शिक्षाशास्त्र, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विभिन्न आयामों की जानकारी प्राप्त की, जिससे विद्यालयों में शिक्षण कार्य को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा।

आईटीआई में अप्रेंटिसशिप मेला 8 को, युवाओं को मिलेगा रोजगार का अवसर

महासमुन्द। स्थानीय युवाओं को रोजगार एवं कौशल विकास के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) महासमुंद द्वारा 08 जून को अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेला प्रातः 09 बजे से आईटीआई परिसर लभराखुर्द में आयोजित होगा। प्राचार्य शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था ने बताया कि अप्रेंटिसशिप के अंतर्गत अधिक से अधिक उद्योग एवं प्रतिष्ठानों को राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप पोर्टल पर पंजीयन कराने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

बृजराज स्कूल में समर कैंप का आयोजन

महासमुंद। पीएमश्री शासकीय बृजराज प्राथमिक शाला के प्रांगण में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं ग्रीष्मकालीन अवकाश के रचनात्मक उपयोग के लिए 5 जून 2026 से 14 जून 2026 तक समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। यह कैंप प्रतिदिन प्रातः 7:30 बजे से 9:30 बजे तक संचालित होगा। समर कैंप में विद्यार्थियों को प्रशिक्षित विशेषज्ञों द्वारा संगीत, नृत्य, योगासन, जुंबा, डांस, आर्ट एवं क्राफ्ट, टॉय मेकिंग, क्ले आर्ट, म्यूजिक इंस्ट्रूमेंट, पेंटिंग तथा इंग्लिश स्पीकिंग जैसी विविध गतिविधियों का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों की रचनात्मकता, आत्मविश्वास, व्यक्तित्व विकास एवं कौशल संवर्धन को बढ़ावा मिलेगा। कैंप के दौरान प्रतिभागियों के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था भी की गई है। विद्यालय परिवार ने सभी पालकों से आग्रह किया है कि वे अपने बच्चों को प्रतिदिन समय पर कैंप में भेजकर इस आयोजन को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें। विद्यालय प्रबंधन को विश्वास है कि यह समर कैंप विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक, मनोरंजक एवं प्रेरणादायक सिद्ध होगा। इस अवसर पर प्रधान पाठक गोमती साहू, शिक्षक मनीषा साहू, विमलेश्वरी दुबे, प्रशिक्षक के रूप में भारती सोनी, दुर्गा यादव, खेमिन साहू एसएमसी अध्यक्ष अशोक नामदेव, पालक शैलेंद्र चोपड़ा, अनिल चौहान, नम्रता नामदेव, सुष्मिता साहू, मुन्ना साहू, लक्ष्मी, ईश्वरी आदि बड़ी सख्या में उपस्थित रहे।

पीएमश्री सेजेस में उत्साहपूर्वक मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

बसना। विश्व पर्यावरण दिवस पर पीएमश्री सेजेस बसना में पर्यावरण संरक्षण एवं जनजागरुकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्राचार्य गिरिजा साहू के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर लोकनाथ डडसेना (संसद प्रतिनिधि), नरेंद्र यादव (अध्यक्ष मंडल बसना), अमृत चौधरी (कोषाध्यक्ष मंडल बसना), सरोज पटेल (महामंत्री), आकाश सिन्हा (अध्यक्ष युवा मोर्चा), राकेश भारती (अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग मोर्चा), राजू स्वाई (अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा), राम नरेश बघेल (भाजपा नेता) एवं नवीन साहू (महामंत्री युवा मोर्चा) सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। विश्व पर्यावरण दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई तथा प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन से पर्यावरण को गंभीर खतरा उत्पन्न हो रहा है। ऐसे समय में प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय भूमिका निभाए तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करें। कार्यक्रम के अंतर्गत भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए पक्षियों के लिए पानी पीने की विशेष व्यवस्था की गई। विद्यालय परिसर में विभिन्न स्थानों पर परिंडे एवं पानी के पात्र रखे गए, जिससे विद्यार्थियों को जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशील बनने का संदेश दिया जा सके। उपस्थित अतिथियों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे मानवीय एवं पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया। विद्यार्थियों के लिए पर्यावरण विषयक जागरूकता सत्र

आयोजित किया गया, जिसमें उन्हें विश्व पर्यावरण दिवस के इतिहास, उद्देश्य तथा पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न उपायों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर पोस्टर मेकिंग गतिविधि का भी आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण, जल बचाओ, वृक्ष लगाओ, प्लास्टिक मुक्त जीवन तथा हरित पृथ्वी जैसे विषयों पर आकर्षक एवं प्रेरणादायक पोस्टर बनाकर अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया।कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं शिक्षकों ने विद्यार्थियों को पेड़-पौधों के महत्व से अवगत कराते हुए उनके संरक्षण का संदेश दिया। साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित एक पेड़ माँ के नाम अभियान तथा एक आदमी-एक वृक्ष, सुनहरा हो भविष्य अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए सभी से अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाने एवं उसकी देखभाल करने का आग्रह किया गया। वक्ताओं ने कहा कि केवल पौधरोपण ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि पौधों का संरक्षण एवं संवर्धन भी उतना ही आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई, जिसमें विद्यार्थियों एवं उपस्थित नागरिकों ने जल संरक्षण, ऊर्जा बचत, स्वच्छता बनाए रखने, प्लास्टिक के उपयोग को कम करने तथा अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का संकल्प लिया। विद्यालय परिसर में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु विभिन्न संदेश भी प्रदर्शित किए गए। अंत में विद्यालय की प्राचार्य गिरिजा साहू ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस तक सीमित न रहकर हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बनना चाहिए। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने तथा पर्यावरण संरक्षण के संदेश को समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान किया।

सराईपाली सोसाइटी में हुआ पौधारोपण कार्यक्रम

झलप। विश्व पर्यावरण दिवस पर सराईपाली सोसाइटी में पौधरोपण कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में सभा को संबोधित करते हुए शम्मी सलूजा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बेमिसाल 12 वर्ष पूर्ण कार्यकाल का उल्लेख करते हुए मोदी सरकार को किसानों का हितैषी बताया। आगे कहा कि जैविक खेती व पौधरोपण के लिए किसानों को प्रोत्माहन किया। संचालन देवेंद्र राय ने किया। साथ ही भाजपा मंडल उपाध्यक्ष कुलजीत सलूजा का जन्मदिन केक काटकर मनाया गया। इस अवसर पर से वरिष्ठ भाजपा नेत्री ललिता अग्रवाल, विधायक प्रतिनिधि शम्मी सलूजा, झलप मंडल उपाध्यक्ष कुलजीत सलूजा, सराईपाली सोसाइटी अध्यक्ष देवेंद्र राय, झलप सोसाइटी अध्यक्ष सागर साहू, नरतोरा सोसाइटी अध्यक्ष सागर साहू, राजेन्द्र कंवर, यशवंत साहू, धनेश साहू, अल्प संख्यक मंडल अध्यक्ष, बलजीत अजमानी, सिंघनपुर सरपंच झालबाई राय, पूर्व मंडल महिला मोर्चा महामंत्री लक्ष्मी साहू, मंडल महिला मोर्चा उपाध्यक्ष सरवनी यादव, एफएलसीआरपी जया आवड़े, गोवर्धन आवड़े, नंदू टंडन, मुकेश खूंटे, अगेश दीवान, सुशील दीवान, जीवराखन जांगड़े, भुखऊ, सेवाराम साहू, बेदराम दीवान, चुनूराम दीवान, डोमार सिंह, नर्मदा पिंजारा, बुधूराम, केसर दीवान, धमेश दीवान, पीतांबर यादव, जीवराखन दीवान, ललीत दीवान, चैनराम दीवान, लक्ष्मण दीवान, दयाशंकर दीवान आदि उपस्थित रहें।

विश्व पर्यावरण दिवस पर मुक्तिधाम में लगाए पौधे

प्रकृति संरक्षण का संदेश, जनप्रतिनिधि और भाजपाई हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बसना

विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान एवं एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत शक्ति केंद्र अंतर्गत पोलिंग बूथ क्रमांक 255, 256, 257 एवं 258 के बूथ केंद्र, वार्ड क्रमांक 13 स्थित मुक्तिधाम में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, भाजपा कार्यकर्ताओं एवं वार्डवासियों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया तथा अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का संदेश दिया। उपस्थितजनों ने कहा कि वृक्ष न केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित एवं स्वस्थ भविष्य की आधारशिला भी हैं। कार्यक्रम में नगर पंचायत बसना के उपाध्यक्ष शीत गुप्ता, जनपद पंचायत बसना के सभापति प्रकाश सिन्हा, पार्षद राकेश डड़सेना, भाजपा मंडल अध्यक्ष नरेंद्र यादव,

मंडल महामंत्री सरोज पटेल, मंडल कोषाध्यक्ष अमृत चौधरी, युवा मोर्चा महामंत्री नवीन भट्ट, शक्ति केंद्र प्रभारी नरेश कुमार चौधरी, संयोजक लोकनाथ डड़सेना, सहसंयोजक राजू साईं, सहसंयोजक उमेश बंजारा, उपेंद्र देवता, गोपेश डड़सेना, भगवान दास, तेजलाल साहू, शगुनलाल देवांगन, देवश डड़सेना, परमेश्वर सोनी, तरुण प्रधान सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं वार्डवासी उपस्थित रहे।

एक पेड़ मां के नाम अभियान से जुड़ने की अपील

इस अवसर पर जनपद पंचायत बसना के सभापति प्रकाश सिन्हा ने क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसकी देखभाल का भी संकल्प ले। उन्होंने कहा कि एक वृक्ष केवल हरियाली का प्रतीक नहीं, बल्कि प्रकृति और मानव जीवन के बीच संतुलन बनाए रखने वाली अमूल्य धरोहर है। उन्होंने सभी नागरिकों से एक पेड़ मां के नाम अभियान से जुड़कर पर्यावरण संरक्षण की इस जनभागीदारी को और मजबूत बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भारत के निर्माण के लिए निरंतर पौधरोपण करने तथा लगाए गए पौधों की देखभाल करने का सामूहिक संकल्प लिया।

न्यायालय नायब तहसीलदार तुमगांव, जिला-महासमुंद (छ.ग.)

// ईश्तहार//

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचनार्थ है कि ग्राम भोरिंग आवेदक उत्तम साहू पिता बैशाखू साहू जाति तेली के द्वारा आवेदक की स्वयं उत्तम निवासी ग्राम भोरिंग तहसील व जिला महासमुंद की जन्म 08.08.1994 को हो चुका है तथा आवेदक स्वयं उत्तम साहू पिता बैशाखू साहू तहसील व जिला महासमुंद की जन्म दिनांक 08.08.1994 को हो चुका है। तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय की पेशी तारीख 04.06.2026 को पेश कर सकते है। नियत तिथी पश्चात प्राप्त आपत्ति/दावा पर विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 21/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

मुहर — नायब तहसीलदार तुमगांव

विश्व पर्यावरण दिवस पर हुआ पौधारोपण

झलप। भारतीय जनता पार्टी झलप मंडल द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र झलप में विश्व पर्यावरण दिवस पर फलदार पौधों का रोपण किया गया। जिसमें मंडल अध्यक्ष चंद्रहास गोलू चंद्राकर, महामंत्री राकेश साहू, उपाध्यक्ष डोमन यादव, विधायक प्रतिनिधि बलीराम चौधरी, महिला मोर्चा अध्यक्ष हेमलता ध्रुव, अजजा मोर्चा महामंत्री भरत ध्रुव, पोतदार सोनवानी, भाजपा नेता नूप नरेंद्र बाघमारे, हाईस्कूल अध्यक्ष यादराम पटेल, जितेंद्र मारकंडे, सतीश यादव, जगदीश चौहान एवं समस्त स्टाफ स्वास्थ्य केंद्र झलप उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

महासमुंद। शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. करूणा दुबे के मार्गदर्शन में विश्व पर्यावरण दिवस पर कुल 28 प्रकार के पेड़-पौधे का रोपण किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. करूणा दुबे ने हमारे जीवन में पेड़-पौधों की महत्ता आदि को बताया। इस अवसर पर डॉ. रीता पांडेय, डॉ. ईपी चेलक, मनीराम धीवर, प्रदीप कन्हेर, अजय कुमार राजा, सरस्वती सेठ, मनबोध चौहान, डॉ. जगदीश सत्यम, मुकेश साहू, कुंदन देवांगन, केशर कश्यप, वेद देवांगन, ललित लोधी आदि उपस्थित थे।

साफ-सफाई कर किया पौधों को संवारने का काम

महासमुंद। विश्व पर्यावरण दिवस पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देवरी में प्राचार्य डोमन सिंह टंडन के मार्गदर्शन में रेडक्रॉस प्रभारी व्याख्याता परस राम सिन्हा द्वारा रेडक्रॉस के स्वयं सेवकों और विद्यालय के वरिष्ठ व्याख्याता नेशलाल धृतलहरे, भोजराम ध्रुव, शिक्षक उद्देश्यम यादव, कार्तिक यादव के सहयोग से विद्यालय परिसर में लगे पौधों का साफ़ सफ़ाई किया गया और पौधों को संवारने का काम किया। इस अवसर पर प्राचार्य डोमन सिंह टंडन द्वारा पर्यावरण को स्वच्छ रखने, ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण करने, पौधों को संरक्षित करने, प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करने, कम से कम धुंआ करने, एसी का कम से कम उपयोग करने, सोलर पेनल के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए निवेदन किया गया। रेडक्रॉस प्रभारी व्याख्याता परस राम सिन्हा ने सन्देश दिया कि बहुत ज्यादा प्रदूषण से ओजोन परत नष्ट हो रहा है, हमें ओजोन परत को नष्ट होने से बचाना है। रेडक्रॉस जूनियर धनेश्वरी सेन, ट्विंकल महिलांग, मंदाकिनी वास, खेमा दीवान, सुष्मिता पटेल, रीना पटेल, कुसुम निषाद शामिल रहे।

जागरुकता : पर्यावरण दिवस पर न्यायाधीशों ने पौधारोपण कर दिया संरक्षण का संदेश

नागरिकों को प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना उद्देश्य : एडीजे मोनिका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

नालसा एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के स्टेट प्लान ऑफ एक्शन के तहत विशेष राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय दिवसों में आयोजित होने वाले कार्यक्रम अनुसार विश्व पर्यावरण दिवस पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण महासमुंद के तत्वधान में जिले के विभिन्न स्थानों में शिविर आयोजित कर पर्यावरण सरंक्षण पर जागरुकता विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिता डहरिया के मार्गदर्शन पर विश्व पर्यावरण दिवस पर जिले में न्यायिक अधिकारियों तथा तालुका और आरक्षी केंद्रों में पदस्थ अधिकार मित्रों द्वारा विभिन्न ग्रामों, ग्राम पंचायतों, नगरीय क्षेत्रों, संगठनों में जाकर पर्यावरण संरक्षण, पौधरोपण एवं प्राकृतिक घटकों के बचाव संबंधी जानकारी प्रदान की गई। इस तारतम्य में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक कोर्ट के पीठासीन अधिकारी मोनिका जायसवाल और द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश पारूल साय ने दलदली रोड स्थित आसियाना वृद्धाश्रम पहुचंकर उपस्थित वरिष्ठजनों के साथ मिलकर पौधरोपण किया गया।

इस अवसर पर न्यायाधीश मोनिका जायसवाल द्वारा उपस्थित वरिष्ठजनों को पर्यावरण का मानव जीवन पर प्रभाव एवं उनके महत्वों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह दिवस हर साल 5 जून को मनाए जाने का तात्पर्य लोगों को प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना और बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन व वनों की कटाई जैसे गंभीर मुद्दों के समाधान के लिए वैश्विक कदम उठाना है। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुकता आम जनता को यह समझाने के लिए कि उनका पर्यावरण (वायु, जल, मिट्टी, पेड़-पौधे) कितना महत्वपूर्ण है और इसे सुरक्षित रखना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।

बढ़ते खतरों पर ध्यान केंद्रित करना जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, और प्लास्टिक प्रदूषण जैसी गंभीर समस्याओं से निपटने तथा सतत भविष्य का निर्माण आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ, हरी-भरी और स्वस्थ पृथ्वी सुनिश्चित करने के लिए सभी को मिलकर काम करने के लिए प्रोत्साहित करना है। इसके अलावा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के नवनिर्मित वैकल्पित विवाद समाधान केन्द्र भवन के आसपास जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकार मित्रों एवं सहकर्मियों सहित झिल्ली अथवा बेकार प्लास्टिक कचरे की सफाई किया गया। इस अवसर पर अधिकार मित्र हरिचंद साहू, मोहित कुमार साहू, वेदप्रकाश पटेल, त्रिभुवन ध्रुव, सहकर्मी स्टाफ रमेश कुमार सोनी, राहुल निषाद और द्रौपती निषाद उपस्थित थे।

पौधों का रोपण कर संरक्षण का लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

शासकीय माता कर्मा कन्या महाविद्यालय मचेवा में यूथ रेडक्रॉस इकाई द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी जिला महासमुंद के सभापति संदीप दीवान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य शील भद्र कुमार ने की। इस अवसर पर महाविद्यालय के ग्रीन कैलेंडर का विमोचन डॉ. अशोक गिरि गोस्वामी (जिला रेडक्रॉस अधिकारी एवं राज्य प्रतिनिधि) द्वारा किया गया। इस कैलेंडर का उद्देश्य वर्षभर पौधरोपण एवं पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देना है।

अतिथियों, प्राध्यापकों एवं छात्राओं द्वारा महाविद्यालय परिसर में पीपल, बरगद एवं नीम के पौधों का रोपण कर उनके संरक्षण का संकल्प लिया गया। संगोष्ठी में प्लास्टिक मुक्त परिसर, कपड़े के थैलों के उपयोग, जैविक कीटनाशकों को बढ़ावा देने तथा वन्यजीव संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में अभिषेक पांडेय (प्रबंध समिति सदस्य), किरण पटेल (विकासखंड सचिव महासमुंद), यशोदा चौहान (रेड क्रॉस प्रभारी खट्टी), हेमलता मलिकार (रेड क्रॉस प्रभारी), तेजलाल देवांगन (कार्यालय प्रभारी) एवं द्वारिका प्रसाद सिन्हा (कार्यालय सहायक) सहित महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं यूथ रेड क्रॉस स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. श्वेतलाना नागल सहायक जिला रेडक्रॉस अधिकारी एवं सहायक प्राध्यापक तथा डॉ. सरस्वती वर्मा एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी एवं सहायक प्राध्यापक ने किया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर हुआ पौधारोपण कार्यक्रम

महासमुंद। शासकीय नवीन महाविद्यालय चिरको में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में एवं प्राचार्य ह्यूमा लिली दीवान के निर्देशन एवं कार्यक्रम अधिकारी मनहरण ठाकुर के मार्गदर्शन में विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ स्वयंसेवक करण कंसारी, आरती ध्रुव व प्रांजल साहू ने पर्यावरण व मानव, जलवायु परिवर्तन, भूमंडलीय तापमान पर अपने विचार व्यक्त किए। डाली साहू, रोशनी सेन ने सीड बॉल बनाने एवं छिड़काव की विधि के बारे में जानकारी साझा किए। अपने उद्बोधन में प्राचार्य ने सभी स्वयंसेवकों को पर्यावरण संरक्षण में अमूल्य योगदान देने हेतु लोगों को जागरूक करने की अपील की। इस अवसर पर स्वयंसेवक/ स्वयंसेविकाओं तथा प्राचार्य ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी मनहरण ठाकुर ने किया। अंत में उपस्थित सभी स्वयंसेवकों/स्वयंसेविकाओं को एनएसएस बी सर्टिफिकेट प्रदान किया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर गमले पर लगाया पौधा

महासमुंद। ग्राम खरोरा में विश्व पर्यावरण पर पौधरोपण किया गया। मीना बाई चंद्राकर, संवेदना समूह खरोरा के सदस्य मुकेश चंद्राकर ने स्वैच्छिक रूप से पौधरोपण कर इस अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया। साथ ही जोर दिया कि वृक्षों को लगाने के साथ-साथ उनकी रक्षा भी करनी होगी।

फसल विविधीकरण एवं जल संरक्षण कार्यशाला में किसानों को मिला वैज्ञानिक खेती का मार्गदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बसना

विश्व पर्यावरण दिवस पर ग्राम पुरुषोत्तमपुर में छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा बसना इकाई द्वारा फसल विविधीकरण एवं जल संरक्षण के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में क्षेत्र के किसानों, ग्रामीणों एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा कृषि एवं जल संरक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त किए।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. वायके सोना, प्रसिद्ध पर्यावरणविद् एवं सचिव छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में जल संरक्षण और फसल विविधीकरण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने किसानों को धान के साथ-साथ कम पानी में उगाई जाने वाली वैकल्पिक फसलों को अपनाने की सलाह देते हुए बताया कि इससे जल की बचत, भूमि की उर्वरता में वृद्धि तथा किसानों की आय में सुधार संभव है। आगे उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, वायुमंडल का गर्म होना, जलवायु परिवर्तन के विभिन्न कारणों, वृक्षारोपण के लाभ व वृक्षों के अंधाधुंध कटाई के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दिया गया। कार्यशाला में किसान दलहन तिलहन उत्पादन के बारे में भी जान पाए। छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा के सदस्य व्याख्याता अजय कुमार भोई ने कहा कि वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपनाकर किसान कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने फसल चक्र, आधुनिक कृषि तकनीकों एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर विस्तार से जानकारी दी। छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा के सदस्य प्रेमचंद साव, शिक्षक, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला अरेकेल ने अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण एवं जल बचत के प्रति जनजागरण समय की आवश्यकता है। उन्होंने विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों को जल संरक्षण के छोटे-छोटे उपायों को दैनिक जीवन में अपनाने का संदेश दिया तथा खेती में नवाचार को बढ़ावा देने पर बल दिया। संकुल समन्वयक डिजेंद्र कुमार कुर्रे ने कहा कि कृषि, पर्यावरण और जल संरक्षण एक-दूसरे से जुड़े हुए विषय हैं। यदि किसान जल संरक्षण आधारित खेती को अपनाते हैं तो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों को सुरक्षित रखा जा सकता है। उन्होंने किसानों से प्राप्त जानकारी को व्यवहार में लागू करने का आग्रह किया।

विज्ञान सभा के सक्रिय सदस्य सचिन प्रधान ने कहा कि आज विश्व पर्यावरण दिवस पर हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि प्रकृति की रक्षा केवल एक दिवस का कार्यक्रम नहीं, बल्कि हमारी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बने। कार्यक्रम के दौरान किसानों ने विशेषज्ञों से विभिन्न कृषि संबंधी प्रश्न पूछे, जिनका समाधान वैज्ञानिक दृष्टिकोण से किया गया। उपस्थित किसानों ने कार्यशाला को उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने की मांग की। अंत में सभी प्रतिभागियों ने जल संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने का संकल्प लिया। आभार प्रदर्शन शिक्षक प्रेमचंद साव द्वारा किया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत पुरूषोत्तमपुर के सरपंच काजल भोई, सरपंच प्रतिनिधि मनोज भोई, कोटवार आनंद चौहान, त्रिभुवननाथ चौहान, तरुण साहू, आत्माराम सिदार, सचिव धनुर्जय पटेल, वेदव्यास साहू, हीरामन साहू, दिल प्रसाद पटेल सहित पंचगण, किसान एवं काफी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

जिला सहकारी बैंक शाखा झलप के बैंक भवन निर्माण के लिए 60 लाख स्वीकृत

झलप। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित रायपुर के अध्यक्ष निरंजन सिन्हा और उपाध्यक्ष अमिनेश कश्यप के प्रयास से शाखा झलप में बैंक के अपने भवन निर्माण के लिए 60 लाख रुपए स्वीकृत किया गया है। ज्ञात हो कि डेढ़ साल पहले झलप के गोल्डी सलूजा, बलविंदर सीटू सलूजा एवं सुभाष पटेल द्वारा नेशनल हाईवे से लगी अपनी लगानी जमीन किसानों की समस्याओं के देखते हुए दान दिया गया था, उस दौरान शाखा प्रबंधक गजमोहन साहू का विशेष प्रयास रहा, वह अब पूरा होने जा रहा है। किराए के भवन से अपने स्वयं के नए सर्वसुविधायुक्त भवन निर्माण से क्षेत्र के किसानों को धूप, बारिश के चलते होने वाली परेशानी, बैंक का स्वयं का एटीएम मशीन नहीं होने के चलते छोटी सी छोटी रकम के लिए लंबी लाइन में होने वाली दिक्कत से निजात मिल जाएगी। नए भवन के लिए राशि स्वीकृत होने से किसान, जनप्रतिनिधि, सहकारी समिति के पदाधिकारीगण एवं कर्मचारियों में हर्ष व्याप्त है।

नैनो उर्वरक के उपयोग से धान उत्पादन में हुई वृद्धि, लागत में भी आई कमी

महासमुंद। कृषि में आधुनिक तकनीकों और नवाचारों को अपनाकर किसान उत्पादन में वृद्धि के साथ खेती की लागत को भी कम करने में सफल हो रहे हैं। विकासखंड बसना अंतर्गत ग्राम दूधीपाली के प्रगतिशील किसान निरंजन सिदार ने विगत वर्ष अपनी धान की फसल में नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया का वैज्ञानिक तरीके से उपयोग कर बेहतर परिणाम प्राप्त किए हैं। सिदार ने धान की खेती में नैनो डीएपी से बीज उपचार कर खेती की शुरुआत की। इसके बाद फसल की वृद्धि अवस्था में नैनो डीएपी तथा नैनो यूरिया का छिड़काव किया। आधुनिक उर्वरक तकनीक के उपयोग से उनकी फसल में रोग एवं कीटों का प्रकोप अपेक्षाकृत कम देखने को मिला, जिससे फसल स्वस्थ एवं मजबूत बनी रही। इसके साथ ही धान की गुणवत्ता में भी सुधार हुआ। उन्होंने बताया कि नैनो उर्वरकों के उपयोग से खेती की लागत में कमी आई है। नैनो उर्वरकों को कीटनाशकों के साथ मिलाकर छिड़काव किए जाने की सुविधा के कारण अलग-अलग बार मजदूरी लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ती, जिससे समय और श्रम दोनों की बचत होती है।

किसानों को नही मिला खाद बीज ग्रामीणों संग अंकित ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

क्षेत्र में किसानों को खाद बीज उपलब्ध ना होने तथा पर्याप्त मात्रा में यूरिया, डीएपी नहीं मिलने की शिकायत पर खल्लारी क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता अंकित बागबाहरा शुक्रवार को नवीन सहकारी समिति बोइरगांव पहुंचे। जहां किसानों ने बताया कि कसेकेरा समिति से अलग होकर ये नवीन समिति क्रमांक 955 बोइरगांव का निर्माण हुआ है। जिसमें चार गांव बोइरगाँव, चिखली, पतेरापाली स, सराईपाली आते हैं और ऋणी किसानों की संख्या लगभग 450 के आसपास है। किसानों को अब तक एक भी

तत्काल गोदाम व कार्यालय बनाने की मांग, खुले बाजार में यूरिया के साथ लदान के लिए किया जा रहा मजबूर

बोरा यूरिया और बीज उपलब्ध नही हो पाया और दिखाने के लिए मात्र वहां परमिट काटा जा रहा है और जब खाद आएगा तो किसानों को लगभग 4 से 5 किलोमीटर दूर जा कर खाद, बीज लेना पड़ेगा। सरकार की इस हरकत पर अंकित बागबाहरा ने कहा कि सरकार की मंशा ही नही है कि किसान उन्नत हो, भाजपा की मंशा है कि तीन काले कानून को इस बहाने पीछे से लागू करवाया जाए। ताकि, किसान परेशान होकर अपनी जमीन या तो बेच दे या लीज में दे दे। अंकित ने अंत में एक लिखित ज्ञापन सौंपा और मांग की कि तत्काल बोइरगांव में गोदाम व कार्यालय का निर्माण करवाया जाए, किसान को प्रति एकड़ दो बोरी यूरिया और एक बोरी डीएपी दिया जाए। साथ ही बार बार किसान को बुला बुला कर तीन बार में खाद बीज के लिए ना तरसाया जाए। इस अवसर पर अंकित बागबाहरा के साथ रामलाल नायक, ठंडाराम यादव, वाजिद खान, धनसाय रात्रे, उकेश यादव, ईश्वर, भागवत, मेहत्तर, बरसाती, तूफान दीवान, बाबूलाल, बेदूराम, खेमराज, मुकेश, दुर्जन सिंह, कराराम साहू, चुलुक राम, कृष्णा, हेमलाल नायक आदि मौजूद रहे।

छिलपावन में सीसी रोड के लिए भूमिपूजन

झलप। ग्राम पंचायत छिलपावन के वार्ड नंबर 3 में जिला पंचायत सदस्य देवकी प्रकाश धरम पटेल द्वारा 15वें वित्त मद से दिए गए चार लाख रुपए के सीसी रोड निर्माण कार्य के लिए भूमिपूजन किया गया। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य देवकी प्रकाश पटेल, पूर्व मंडल अध्यक्ष धरम पटेल, सरपंच राधेश्याम पटेल, उपसरपंच संतु डहरिया, कुलजीत सलूजा, निर्भय सिंह नायक, कमल कौशिक, सागर साहू, बलजीत आजमानी, राजू साहू, कमलेश पटेल, सचिव बाबूलाल पटेल एवं अन्य ग्रामवासी उपस्थित थे।

ईएसआईसी अस्पताल की मांग, नपाध्यक्ष ने निदेशक को लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू ने श्रमिकों के हित में महासमुंद नगर क्षेत्र में ईएसआईसी अस्पताल स्थापित करने की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के प्रबंध निदेशक, पंचदीप भवन, नई दिल्ली को पत्र प्रेषित किया है।

पत्र में नपाध्यक्ष साहू ने उल्लेख किया कि महासमुंद नगर एवं आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों में बड़ी संख्या में ईएसआईसी अंशदायी श्रमिक एवं उनके आश्रित निवासरत हैं। वर्तमान में ईएसआईसी अस्पताल की सुविधा नहीं होने के कारण बीमित श्रमिकों को उपचार के लिए दूरस्थ स्थानों पर जाना पड़ता है। जिससे उन्हें समय, धन एवं श्रम की अनावश्यक हानि होती है। साहू ने कहा कि क्षेत्र में औद्योगिक एवं व्यावसायिक गतिविधियों के विस्तार के साथ ईएसआईसी लाभार्थियों की संख्या निरंतर बढ़ रही है। अस्पताल स्थापित होने से श्रमिकों एवं उनके परिवारजनों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ होंगी तथा आपातकालीन चिकित्सा सुविधाओं का भी लाभ प्राप्त होगा। नपा अध्यक्ष ने जनहित एवं श्रमिक हित को दृष्टिगत रखते हुए ईएसआईसी निदेशक से महासमुंद क्षेत्र में ईएसआईसी अस्पताल की स्थापना के लिए आवश्यक सर्वेक्षण एवं कार्यवाही कराने का अनुरोध किया है। साहू ने कहा कि महासमुंद में ईएसआईसी अस्पताल खुलने से बीमित श्रमिक और परिवार के आश्रितों को ओपीडी, आईपीडी, दवा, जांच सब मुफ्त मिलेगा। प्राइवेट अस्पताल का खर्च बचेगा। फिजिशियन, सर्जन, गायनो, पीडियाट्रिक, ऑर्थो जैसे विशेषज्ञ एक ही छत के नीचे मिलेंगे। फैक्ट्री में दुर्घटना या रात में तबीयत बिगड़ने पर तात्कालिक उपचार संभव हो सकेगा, बीमित महिला श्रमिकों को प्रसव सुविधा, बच्चों का टीकाकरण व इलाज भी मुफ्त सहित अनेक लाभ श्रमिकों को मिलेगा। उल्लेखनीय है कि नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू द्वारा लगातार श्रमिक कल्याण के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। ईएसआईसी अस्पताल की मांग भी श्रमिकों को बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था उपलब्ध कराने की दिशा में उनकी पहल है।